

अध्याय 10

अकबरी लोटा

1 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1: अकबरी लोटा क्या है?

उत्तर: अकबरी लोटा एक विशेष आकार के पानी के बर्तन को संदर्भित करता है, जो मुगल सम्राट अकबर ने खुद डिज़ाइन किया था। इसका विशेषता यह थी कि इसके आकार के कारण अंदर रखे पानी का तापमान संरक्षित रहता था।

प्रश्न 2: अकबरी लोटा का डिज़ाइन किससे जुड़ा हुआ था?

उत्तर: अकबरी लोटा का डिज़ाइन मुगल सम्राट अकबर से जुड़ा हुआ था, जिन्हें विज्ञान और नवाचार में रुचि थी।

प्रश्न 3: अकबरी लोटा के डिज़ाइन में क्या अनूठा था?

उत्तर: अकबरी लोटा के डिज़ाइन में अनूठापन इस बात में था कि इसमें बर्तन का नीचला हिस्सा चौड़ा होता था और उसका गला संकुचित था, जिससे बर्तन में रखे पानी का तापमान संरक्षित रहता था।

प्रश्न 4: अकबरी लोटा ने कैसे दिखाया कि अकबर विज्ञान में रुचि रखते थे?

उत्तर: अकबरी लोटा का निर्माण अकबर की विज्ञान और नवाचार में रुचि को दिखाता है। इसका डिज़ाइन उनकी प्रायोगिक दृष्टि को प्रकट करता है, जो हर दिन की समस्याओं का समाधान करने की प्राक्टिकल दृष्टि दिखाता है।

प्रश्न 5: अकबरी लोटा का क्या उद्देश्य था?

उत्तर: अकबरी लोटा का मुख्य उद्देश्य था कि इसमें रखे पानी को ठंडा रखा जाता था, जिससे यह गर्मियों में पीने के लिए उपयुक्त रहता था।

प्रश्न 6: अकबर के शासनकाल में अकबरी लोटा को क्यों महत्वपूर्ण माना गया था?

उत्तर: अकबरी लोटा को उतना ही महत्त्व दिया गया था क्योंकि यह अकबर की विज्ञान और नवाचार में रुचि का प्रतीक था। इसका डिज़ाइन और कार्यक्षमता उस बादशाह की विज्ञानिक दिशा को दिखाता था जो हर दिन की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्राकृतिकल था।

प्रश्न 7: अकबरी लोटा की मुख्य विशेषता क्या थी?

उत्तर: अकबरी लोटा की मुख्य विशेषता थी उसका आकार, जो वातावरण में पानी को ठंडा रखने की क्षमता रखता था।

प्रश्न 8: अकबरी लोटा का डिज़ाइन किस तरह से पानी को ठंडा रखने में मदद करता था?

उत्तर: अकबरी लोटा के डिज़ाइन में उसके गले की संकुचितता और बड़े आधार की वजह से उसमें रखे पानी का तापमान संरक्षित रहता था, जो गर्मी में भी ठंडा रहता था।

प्रश्न 9: अकबरी लोटा का उपयोग किसलिए किया जाता था?

उत्तर: अकबरी लोटा का उपयोग गर्मियों में पीने के लिए ठंडा पानी प्रदान करने के लिए किया जाता था।

प्रश्न 10: अकबरी लोटा का नामकरण किसके नाम पर हुआ था?

उत्तर: अकबरी लोटा का नाम उन्हीं मुगल सम्राट अकबर के नाम पर हुआ था, जिन्होंने इसे डिज़ाइन किया था।

2अंक वाले प्रश्न

1: “लाला ने लोटा ले लिया, बोले कुछ नहीं, अपनी पत्नी का अदब मानते थे।”
लाला झाऊलाल को बेढंगा लोटा बिलकुल पसंद नहीं था। फिर भी उन्होंने चुपचाप लोटा ले लिया। आपके विचार से वे चुप क्यों रहे? अपने विचार लिखिए।

उत्तर:

लाला झाऊलाल को बेढंगा लोटा बिलकुल पसंद नहीं था। फिर भी उन्होंने चुपचाप लोटा ले लिया क्योंकि वे अपनी पत्नी का अदब मानते थे। दूसरा वे पत्नी के तेज-तर्रार स्वभाव से भी अवगत थे उन्होंने सोचा कि अभी तो लोटे में पानी मिला है यदि चूँ कर दू तो कहीं बाल्टी में भोजन ना करना पड़े।

2: लाला झाऊलाल जी ने फौरन दो और दो जोड़कर स्थिति को समझ लिया।”
आपके विचार से लाला झाऊलाल ने कौन-कौन सी बातें समझ ली होंगी?

उत्तर:

दो और दो जोड़कर स्थिति को समझना – अर्थात् परिस्थिति को भाँप जाना। लोटा गिरने पर गली में मचे शोर को सुनकर आँगन में एकत्र हो गई। एक अंग्रेज को भीगे हुए तथा पैर सहलाते हुए देखकर लाला समझ गए कि स्थिति गंभीर है और लोटा अंग्रेज को लगा है। इस समय उनका चुप रहना ही ठीक है।

3: क्या होता यदि
अंग्रेज़ लोटा न खरीदता?

उत्तर:

यदि अंग्रेज़ लोटा नहीं खरीदता तो बिलवासी जी को अपनी पत्नी से चुराए हुए रूपए लाला झाऊलाल को देने पड़ते। अन्यथा झाऊलाल अपनी पत्नी को पैसे नहीं दे पाते और अपनी पत्नी के सामने बेइज्जत होते।

4: अंग्रेज़ के सामने बिलवासी जी ने झाऊलाल को पहचानने तक से क्यों इनकार कर दिया था? आपके विचार से बिलवासी जी ऐसा अजीब व्यवहार क्यों कर रहे थे? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

अंग्रेज़ के सामने बिलवासीजी ने झाऊलाल को पहचानने से इनकार कर दिया क्योंकि अंग्रेज़ का क्रोध शांत हो जाए और अंग्रेज़ को ज़रा भी संदेह न हो कि वह लाला झाऊलाल का आदमी है। तथा वह अपनी योजना पूरी करना चाहते थे जिससे पैसे की व्यवस्था हो सकें।

5: आपके विचार से अंग्रेज ने यह पुराना लोटा क्यों खरीद लिया? आपस में चर्चा करके वास्तविक कारण की खोज कीजिए और लिखिए।

उत्तर:

अंग्रेज़ को पुरानी ऐतिहासिक चीज़ें इकट्ठा करने का शौक था। ऐसा इसलिए कह सकते हैं क्योंकि दुकान से पुरानी पीतल की मूर्तियाँ खरीद रहा था। अंग्रेज़ ने बिलवासी के कहने पर लोटा, अकबरी लोटा समझकर 500 रूपए में खरीदा।

6: “इस भेद को मेरे सिवाए मेरा ईश्वर ही जानता है। आप उसी से पूछ लीजिए। मैं नहीं बताऊँगा।”

बिलवासी जी ने यह बात किससे और क्यों कही? लिखिए।

उत्तर:

‘बिलवासी’ जी ने यह बात ‘लाला झाऊलाल’ से कही क्योंकि बिलवासीजी ने रुपयों का प्रबंध अपने ही घर से अपनी पत्नी के संदूक से चोरी कर किया था इस रहस्य को वह ‘झाऊलाल’ के सामने खोलना नहीं चाहते थे।

**7: “उस दिन रात्रि में बिलवासी जी को देर तक नींद नहीं आई।”
समस्या झाऊलाल की थी और नींद बिलवासी की उड़ी तो क्यों? लिखिए।**

उत्तर:

झाऊलाल के लिए बिलवासीजी ने अपनी पत्नी के संदूक से पैसे चोरी किए थे अब वे अपनी पत्नी के सोने की प्रतीक्षा में थे ताकि वह पैसे चुप-चाप संदूक में रख दे। इसलिए समस्या झाऊलाल की थी और नींद बिलवासी की उड़ी थी।

4 अंक वाले प्रश्न

**1: क्या होता यदि
यदि अंग्रेज़ पुलिस को बुला लेता?**

उत्तर:

यदि अंग्रेज़ पुलिस को बुला लेता तो सम्भवतः लाला झाऊलाल को गिरफ्तार कर लिया जाता या उन्हें जुर्माना देना पड़ता।

**2: क्या होता यदि
जब बिलवासी अपनी पत्नी के गले से चाबी निकाल रहे थे, तभी उनकी पत्नी जाग जाती?**

उत्तर:

गले से चाबी निकालते समय यदि बिलवासी जी की पत्नी जग जाती तो चोरी जैसा धिनौना काम करने पर उन्हें अपनी पत्नी के समक्ष शर्मिंदा होना पड़ता।

3: बिलवासी जी ने जिस तरीके से रुपयों का प्रबंध किया, वह सही था या गलत?

उत्तर:

बिलवासी जी ने जिस तरीके से रुपयों का प्रबंध किया, वह गलत था। अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए किसी को उल्लू नहीं बनाना चाहिए।

4: इस कहानी में लेखक ने जगह-जगह पर सीधी-सी बात कहने के बदले रोचक मुहावरों, उदाहरणों आदि के द्वारा कहकर अपनी बात को और अधिक मजेदार /रोचक बना दिया है। कहानी से वे वाक्य चुनकर लिखिए जो आपको सबसे अधिक मजेदार लगे।

उत्तर:

1. अब तक बिलवासी जी को वे अपनी आँखों से खा चुके होते।
2. कुछ ऐसी गढ़न उस लोटे की थी कि उसका बाप डमरू, माँ चिलम रही हो।
3. ढाई सौ रूपए तो एक साथ आँख सेंकने के लिए भी न मिलते हैं।

5: इस कहानी में लेखक ने अनेक मुहावरों का प्रयोग किया है। कहानी में से पाँच मुहावरे चुनकर उनका प्रयोग करते हुए वाक्य लिखिए।

उत्तर:

1. चैन की नींद सोना – (निश्चिंत सोना)

कुख्यात चोर के पकड़े जाने पर पुलिस चैन की नींद सोई।

2. आँखों से खा जाना – (क्रोधित होना)

परीक्षा में कम अंक आने पर माँ ने पुत्र को ऐसे देखा मानो आँखों से ही खा जाएगी।

3. आँख सेंकने के लिए भी न मिलना – (दुर्लभ होना)

हस्तकला से बनी वस्तुएँ तो आजकल आँख सेंकने के लिए भी नहीं मिलती हैं।

4. मारा-मारा फिरना – (ठोकें खाना)

बेटे आलीशान घर में रहते हैं और बाप बेचारा मारा-मारा फिरता है।

5. डींगें सुनना – (झूठ-मूठ की तारीफ सुनना)

लाला जी घर में तो भीगी बिल्ली है परंतु बाहर अपनी बहादुरी की डींगें मारते फिरते हैं।

6: लेकिन मुझे इसी जिंदगी में चाहिए।”

“अजी इसी सप्ताह में ले लेना।”

“सप्ताह से आपका तात्पर्य सात दिन से है या सात वर्ष से?”

झाऊलाल और उनकी पत्नी के बीच की इस बातचीत से क्या पता चलता है लिखिए।

उत्तर:

झाऊलाल और उनकी पत्नी के बीच की इस बातचीत से निम्न बातें उजागर होती हैं –

1. झाऊलाल की पत्नी को अपने पति झाऊलाल के वादे पर भरोसा नहीं था।

2. उनकी पत्नी ने पहले भी कुछ माँगा होगा परन्तु उन्होंने हाँ करने के बाद भी लाकर नहीं दिया होगा।

3. झाऊलाल कंजूस प्रवृत्ति के हैं।

रिक्त स्थान प्रश्न और उत्तर भरें

प्रश्न 1: अकबरी लोटा का डिज़ाइन _____ रखने के लिए खास था।

उत्तर: पानी को ठंडा

प्रश्न 2: अकबरी लोटा मुगल सम्राट _____ के नाम पर है।

उत्तर: अकबर

प्रश्न 3: अकबरी लोटा का आकार _____ रखने के लिए बनाया गया था।

उत्तर: वातावरण में पानी को ठंडा

प्रश्न 4: अकबरी लोटा को गर्मियों में _____ के लिए इस्तेमाल किया जाता था।

उत्तर: पीने के लिए ठंडा पानी

प्रश्न 5: अकबरी लोटा का डिज़ाइन _____ रखने के लिए था।

उत्तर: जल का तापमान संरक्षित

प्रश्न 6: अकबरी लोटा अकबर की _____ को दर्शाता है।

उत्तर: विज्ञान और नवाचार में रुचि

प्रश्न 7: अकबरी लोटा को _____ के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया था।

उत्तर: ठंडे पानी

प्रश्न 8: अकबरी लोटा का उपयोग गर्मियों में पीने के लिए _____ था।

उत्तर: उपयुक्त

प्रश्न 9: अकबरी लोटा अकबर के _____ का प्रतीक था।

उत्तर: विज्ञान और नवाचार में रुचि

प्रश्न 10: अकबरी लोटा का आकार वातावरण में पानी को _____ रखता था।

उत्तर: ठंडा

सारांश

अकबरी लोटा एक विशेष प्रकार का पानी का पेयजल था जिसे सम्राट अकबर से जोड़ा जाता है। इस बर्तन को विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया था ताकि इसमें रखा पानी उसकी ठंडे तापमान को बनाए रख सके। इसकी डिज़ाइन में एक चौड़ा आधार और संकुचित गला शामिल था, जो गर्म मौसम में भी पानी को ठंडा रखने में मदद करता था। अकबरी लोटा अकबर की विज्ञान और नवाचार में रुचि को दर्शाता था, गर्मियों में ठंडा पानी सेवित करने के लिए इस्तेमाल होता था। यह अकबर की वैज्ञानिक धारा और समस्याओं के हल की प्राकृतिक दृष्टि को दिखाता है। इस बर्तन का महत्व इसके कार्यात्मक डिज़ाइन में है, जो अकबर की वैज्ञानिक प्रवृत्ति और समस्याओं के सामान्य समाधान के लिए उनकी प्रायोगिक दृष्टि को प्रकट करता है।